सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 164 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 21 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

उन पत्थरों को उठाइए जो लोग आप पर फेंकते हैं और उनका इस्तेमाल कर के एक स्मारक खड़ी कर दीजिये।
-रतन टाटा

आईसीसी ने किया जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों... 7 | उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभी... 3 | विदेशी लुटेरों की तरह काम कर... 2

कॉकरोच के बाद किसान सांसत में सरकार की जान

खेत-खलिहानों से निकला अन्नदाता

» शंभू बार्डर सीज, प्रमुख किसान नेता हिरासत में व्यापक ट्रैफिक एडवाइजरी

» किसानों ने बदली रणनीति इस बार निजी वाहनों के बजाए पब्लिक ट्रांस्पोर्ट के जरिये पहुंच रहे हैं दिल्ली

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेन जी के मार्च टू पार्लियामेंट के बाद आज दिल्ली किसानों की महापंचायत का गवाह बनी। किसानों ने खेत खलिहानों से निकल कर दिल्ली की तरफ कूच कर दिया और जत्थों की शक्ल में वह किसान घाट पर इकट्ठा हो रहे हैं। खबर लिखे जाने तक वहां किसानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है।

किसानों के कूच से सरकार की जान निकल गयी है और आनन-फानन में एक बार फिर शंभू बार्डर समेत हरियाणा के वह एंट्री प्वाइंट सील कर दिये गये जिनके रास्ते किसान दिल्ली में प्रवेश कर रहे हैं। हालांकि इस बार किसानों ने अपनी रणनीति बदली है और वह निजी वाहनों के बजाए पब्लिक ट्रांस्पोर्ट का सहारा लेकर दिल्ली पहुंच रहे हैं ताकि उन्हें सरकार दिल्ली पहुंचने से पहले रोक न पाए। किसान घाट जहां महापंचायत का आयोजन होना है वहां का नजारा भी देखने लायक है। प्रमुख किसान नेताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है और महापंचायत के इर्द गिर्द हजारों की तादात में पुलिस फोर्स मौजूद हैं। किसान प्रस्तावित भारत अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में सरकार को घेर रहे हैं।

दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत

बोले किसान- हम टकराव नहीं चाहते, हमें अपनी बात कहने का हक

किसान संगठनों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधाते हुए कहा है कि उनका आंदोलन हरियाणा सरकार से टकराव के लिए नहीं बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में है। फतेहगढ़ साहिब में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा है कि किसानों को शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली जाकर अपनी बात रखने का लोकतांत्रिक अधिकार मिलना चाहिए। वहीं भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने हरिद्वार में छात्रों के आंदोलन कांवड़ यात्रा वन गुज्जरों के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया को लेकर सरकार की आलोचना की। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों वाहनों के साथ किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। पंजाब के अलग-अलग जिलों से किसान फतेहगढ़ साहिब में एकत्र हुए जहां से आगे की रणनीति बनाई जा रही है। उनका उद्देश्य केवल चार घंटे के लिए दिल्ली स्थित किसान घाट पर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना और अपनी बात सरकार तक पहुंचाकर वापस लौटना है। लेकिन शंभू बॉर्डर पर किसानों को रोकने और रास्ते बंद करने की खबरें मिल रही हैं। यदि किसानों को रातभर रास्तों पर रोका गया और उन्हें परेशानी हुई तो इसकी जिम्मेदारी हरियाणा की सैनी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार की होगी। सरवन सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों से बातचीत करने या भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा मसौदा देश के सामने रखने के बजाय दमनात्मक रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि सुबह किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी समेत कई किसानों को गिरफ्तार किया गया। इससे यह साफ हो गया है कि सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शन को दबाना चाहती है।

> सरकार किसानों से बातचीत करने या भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा मसौदा देश के सामने रखने के बजाय दमनात्मक रवैया अपना रही है।
> सरवन सिंह पंधेर, किसान नेता

सामान्य नजर नहीं आ रही दिल्ली

राजधानी के भीतर भी हालात सामान्य नहीं दिख रहे हैं। सत्याग्रह मार्ग, वेलोड्रोम रोड, राजघाट डीटीसी डिपो रोड और किसान घाट के आसपास ट्रैफिक प्रभावित रहने की संभावना जताई गई है। जरूरत पड़ने पर दिल्ली गेट, राजघाट क्रॉसिंग, गुरु नानक चौक, शांतिवन चौक और आईपी फ्लाईओवर सहित कई प्रमुख मार्गों से यातायात डायवर्ट किया जा सकता है। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को पहले से यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है। किसान संगठनों का कहना है कि उनका आंदोलन प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और उससे जुड़े कृषि हितों के मुद्दों पर केंद्रित है। वहीं प्रशासन का कहना है कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। यही वजह है कि एहतियाती कदम पहले से उठाए गए हैं।

सरकार के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक परीक्षा

किसान घाट पर होने वाली महापंचायत से पहले शंभू बॉर्डर समेत दिल्ली से जुड़े कई प्रवेश मार्गों पर सुरक्षा का ऐसा घेरा खड़ा कर दिया गया है जिसने पूरे घटनाक्रम को सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परीक्षा बना दिया है। बड़े किसान नेता हिरासत में लिए जा चुके हैं बैरिकेड कई

स्थानों पर खड़े हैं और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक एडवाइजरी जारी कर दी है। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी को हिरासत में लिया जा चुका है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश और किसानों के हित में नहीं : पंधेर

किसान नेता पंधेर ने दावा किया कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश और किसानों के हित में नहीं है।

अमेरिका के बड़े कृषि उत्पादकों के मुकाबले भारतीय छोटे और मध्यम किसान प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे, जिससे किसानों की आजीविका पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री लगातार पंजाब आते हैं और अपनी राजनीतिक गतिविधियां करते हैं लेकिन जब पंजाब के किसान देश की राजधानी दिल्ली जाकर अपनी बात रखना चाहते हैं तो उन्हें रास्ते में रोक दिया जाता है। केंद्र सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पंजाब भी देश का हिस्सा है या नहीं। उनका कहना था कि किसानों को केवल हरियाणा की सड़क का उपयोग करते हुए दिल्ली पहुंचना था और वहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना था।

विदेशी लुटेरों की तरह काम कर रही भाजपा सरकार

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- छात्रों को प्रताड़ित कर रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा विदेशी लुटेरों की तरह काम कर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार को अहंकारी बताया और कहा कि वह छात्रों को प्रताड़ित कर रही है।

अखिलेश यादव ने नीट परीक्षा में भारी घोटाले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के कारण कई बच्चों की जान चली गई। सरकार ने उनके प्रति एक शब्द भी नहीं बोला और श्रद्धांजलि तक नहीं दी। छात्र जंतर-मंतर पर न्याय मांग रहे हैं, पर सरकार उनकी बात सुनना नहीं चाहती। भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं, जिनमें भाजपा के लोग शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में 20 से ज्यादा पेपर लीक हुए, पर कोई दोषी नहीं पकड़ा गया।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं देना चाहती। वह युवाओं को नौकरियों में आरक्षण भी नहीं देना चाहती है। भाजपा आउटसोर्स की भर्ती के जरिये भ्रष्टाचार करती है।

भाजपा सरकार नहीं अहंकार

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सत्र की शुरुआत से पहले ही भाजपा सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार नहीं अहंकार की तरह काम कर रही है। कम से कम बच्चों की बात तो सुननी चाहिए, नीट में इतना बड़ा घोटाला हुआ, घपला हुआ, आज भी लोग बातें कर रहे हैं। ये कैसी सरकार है, क्या यही अमृतकाल है? सपा चीफ अखिलेश यादव ने छात्रों के प्रदर्शन पर कहा, जिन छात्रों की जान गई सरकार ने उन पर एक शब्द नहीं कहा, श्रद्धांजलि नहीं दी. हमारे सांसद जिन छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ है उनसे मिलने जाएंगे, सरकार रोजगार नहीं देना चाहती, रोजगार देंगे तो आरक्षण देना पड़ेगा, बीजेपी सीसीसीसी है, चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी।

बीजेपी के ही लोग पेपर लीक में शामिल

कन्नौज सांसद अखिलेश यादव का कहना है कि नीट पेपर लीक में बीजेपी के लोग ही शामिल है. मैं युवा सांसदों से कहना चाहता हूं, जंतर- मंतर जाइए और पार्टी का संदेश दीजिए कि पार्टी आपके साथ है. लखनऊ वाले दिल्लीवालों को नीचा दिखा रहे हैं. दिल्लीवालों ने मंदिर का उद्घाटन किया था, इसलिए लखनऊ वालों ने जांच बैठाकर कंट्रोल अपने हाथ में रखा।

उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की। अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के युवा सांसदों से छात्रों से मिलने को कहा। उन्होंने भाजपा को चंदा-चोरी-चढ़ावा चोरी करने वाली पार्टी बताया।

देश के बच्चे लाठी खा रहे, सरकार सुन नहीं रही : डिंपल

सपा सांसद डिंपल यादव का कहना है कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के बच्चे लाठी खा रहे हैं। सरकार छात्रों की सुनना ही नहीं चाहती है। देश में मजाक चल रहा है। डिंपल यादव ने कहा कि देश में यह मजाक हो रहा है, सपा सांसद का यह भी कहना है कि नीट की पूरी प्रॉसेस करप्ट है. देश में न जाने कितने पेपर लीक हुए हैं. सवाल यही है कि इसकी जिम्मेदारी सरकार लेगी या नहीं? अब पानी सिर के ऊपर से निकल चुका है. किसान भी परेशान हैं, छात्र भी परेशान हैं। सपा सांसद इकरा हसन ने भी सीधे तौर पर बस इतना ही कहा है कि वह नैतिकता के आधार पर इस्तीफा चाहती हैं, इतना ही नहीं, खुद अखिलेश यादव ने भी मार्च का समर्थन करते हुए सरकार से सवाल किए हैं।

सरकार को अपनी हठ छोड़नी होगी : बर्क

सपा सांसद बर्क ने कहा कि देश के छात्र, देश के नौजवानों पर लाठीचार्ज हुआ है। आज सपा का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने जा रहा है, हम उनके इस आंदोलन का समर्थन करते हैं। संसद के सत्र में भी हमने मजबूती से छात्रों का पक्ष रखा है। हम यही चाहते हैं कि सरकार अपनी हठधर्मी से हट, सोनम वांगचुक को जबरदस्ती उठाकर अस्पताल में शिफ्ट करा दिया गया. हम चाहते हैं कि सरकार संवाद करे और उनकी जायज मांगों को पूरा किया जाना चाहिए।

अवधेश प्रसाद ने भी बीजेपी सरका पर उठाए सवाल

फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बीजेपी पर हमला किया और इस घटना को बेहद अफसोसनाक बताया. उन्होंने कहा कि राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चंदा चोरी हुई. जिससे पूरे देश के करोड़ों राम भक्त और आस्थावान लोगों को चोट पहुंची है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में बीजेपी ने जो ट्रस्ट बनाया है. वो उसकी रखवाली के लिए जिम्मेदारी थे लेकिन, उन्होंने रखवाली नहीं की. मंदिर में डकैती की ये बात खुद ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कही है. भारतीय जनता पार्टी के लोग मुख्य आरोपियों को बचा रहे हैं. कोई रिपोर्ट नहीं देना चाह रहे हैं।

पेपर लीक मामले में अफसरों पर भी हो कार्रवाई : मायावती

» बसपा प्रमुख ने केंद्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बसपा प्रमुख मायावती ने पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी तक सरकार पर कई सवालों के जरिये हमला किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी पर उच्च पदस्थ अधिकारियों पर भी कानूनी कार्रवाई हो। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देश में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की बेरोजगारी को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि सदन से लेकर सड़कों और दिल्ली के जंतर-मंतर तक में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर टकराव की स्थिति है। परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से करोड़ों युवाओं का भविष्य अधर में है। सरकारों को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी लंबी पोस्ट में कहा कि मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक

और रद्द होने की घटनाओं से युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा व्यवस्था से जुड़े दोषियों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई तय की जाए। ताकि, युवाओं का भविष्य असुरक्षा और अंधकार से बचाया जा सके। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के कारण निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का तेजी से विस्तार हो रहा है। महंगाई के दौर में भी परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक बोझ उठाने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकारों से कोचिंग संस्थानों पर भ्रष्टाचार-मुक्त निगरानी रखने और प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की अपील की।

लोकतंत्र के लिए घातक है सरकार का तरीका : राय

» कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- जायज मांगों को लेकर आन्दोलन करने वाले लोगों को कुचलने का कार्य कर रही है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दे रहे देश भर के युवाओं, छात्रों-छात्राओं पर हुए लाठी चार्ज पर यूपी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। बता दें छात्रों द्वारा अपनी मांगों को लेकर केन्द्र की मोदी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए संसद कूच का कार्यक्रम आयोजित किया गया, भारी पुलिस बल द्वारा बैरीकेडिंग लगाये जाने के बावजूद हजारों की संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं संसद भवन तक पहुंच गये, उन पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण कार्यवाही करते हुए लाठीचार्ज किये जाने, वाटर कैनन की बौछार व आंसू गैस के गोले छोड़े जाने जैसी दमनात्मक कार्यवाही करते हुए छात्रों-युवाओं की आवाज को दबाने का कार्य किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी पूर्व मंत्री ने आज जारी बयान में कहा कि आज दिल्ली में जिस प्रकार हमारे देश के युवाओं, छात्रों, छात्राओं पर बलपूर्वक कार्यवाही की गयी है, पुलिस की लाठियों से तमाम छात्र

और छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गये, उनके सिर फट गये, मोदी सरकार की दमनात्मक कार्यवाही ने अंग्रेजों के दमन की याद दिला दी है। मोदी सरकार संवैधानिक तरीके से अपनी जायज मांगों को लेकर आन्दोलन करने वाले लोगों को कुचलने का कार्य कर रही है जो लोकतंत्र के लिए घातक है। उन्होने कहा कि जन नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी द्वारा नीट परीक्षा सहित तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के विरोध में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत जिस प्रकार देश भर के छात्रों एवं युवाओं की आवाज उठायी जा रही है, उनके हितों के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं, उसी का परिणाम है कि आज पूरे देश के युवा, छात्र देश हित में आवाज उठाने के लिए आगे आ रहे हैं निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा।

आन्दोलन बातचीत से रूकता है लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने से नहीं

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी आन्दोलन बातचीत से रूकता है लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने से नहीं रूकता है। नीट पेपर लीक की जांच कराये जाने और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान को मंत्रिमण्डल से बर्खास्त करने की मांग आज पूरे देश की आवाज बन चुका है। मोदी सरकार इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकती है। अब यह मांग पूरे देश की आवाज बन चुकी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कभी भी लोकतंत्र पर विश्वास नहीं रहा। वर्ष 14 से वह खुद मोदी सरकार की दमनकारी, उत्पीड़नात्मक कार्यवाही के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होने कहा कि आज जिस प्रकार भाजपा सरकार द्वारा दमन चक्र चलाया जा रहा है किसी भी चुनी हुई सरकार के लिए शर्मनाक है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

धनखड़ को जबरन इस्तीफा देने को मजबूर किया गया था : जयराम

» छात्रों के मुद्दे पर केंद्र पर बरसे कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि एक साल पहले धनखड़ को जबरन इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। साथ ही उन्होंने कहा, उन्हें राज्यसभा सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई तक नहीं दी गई है।

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा क्योंकि वह लगातार किसानों की स्थिति

पर चिंता जाहिर कर रहे थे। साथ ही मोदी सरकार की किसानों के प्रति कथित संवेदनहीनता पर सवाल उठा रहे थे। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज ही के दिन ठीक एक वर्ष पहले भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को अपने पांच साल के कार्यकाल के केवल तीन वर्ष पूरे होने के बाद ही जबरन इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा तथा मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार-बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन से जोड़ते हुए जयराम रमेश ने कहा, यही असंवेदनशीलता और उदासीनता आज लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति भी पूरी तरह दिखाई दे रही है।

पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था। कांग्रेस का कहना है कि धनखड़ को उनके किसान मुद्दों पर मुखर रुख के कारण हटाया गया, जबकि सरकार की ओर से इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों को ही बताया गया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभी से दिखने लगा तनाव

सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कर रहे बदलाव

- चुनाव आयोग से लेकर बीजेपी ने कसी कमर
- अमित शाह बिछा रहे चुनावी बिसात, कई सीटों पर पैनी नजर
- बीजेपी के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं
- सपा ने शुरू की तैयारी बसपा व कांग्रेस के तेवर भी चढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनावों में अभी समय है। पर उसकी आहट अभी से सुनाई देने लगी है। जहां सत्ता में बैठी बीजेपी ने तीसरी बार सरकार बनाने के लिए मेहनत शुरू कर दी है। दिल्ली से लेकर लखनऊ तक संगठन में दौड़भाग शुरू हो चुकी है। राज्य के नेता ने केंद्रीय नेताओं से तेजी से मिलने लगे हैं। वहीं सबसे बड़ा विपक्षी दल सपा भी इसबार विस में बाजी मारने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही है। पीडीए के दम पर सपा प्रमुख अखिलेश सीएम बनने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस व बसपा भी अपने दम पर ही इसबार कमाल करने की जुगत में है। इसके अलावा, आप समेत अन्य दल भी अपनी सीटों में इजाफे को लकर आतुर है।

उधर इन सबके बीच चुनाव आयोग ने अपने कीलकांटे सही करने शुरू कर दिए हैं। आयोग कहना है कि चुनाव समय से करवाया जाएगा। इन सब घटनाक्रम के बीच में सीटों को लेकर सपा-कांग्रेस में खींचतान और राजनीतिक बयानों से तल्खी भी बढ़ गई है। यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर सपा-कांग्रेस में खींचतान तेज होते दिख रही है। एक तरफ कांग्रेस सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी पर अड़ी है। वहीं सपा का कहना है कि सीट नहीं, जीत की क्षमता आधार बने। यूपी में अगले साल शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी ने अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। यूपी में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। गृहमंत्री अमित शाह जल्दी ही यूपी के सभी 6 क्षेत्रों का दौरा करेंगे, तैयारियों को परखेंगे और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे। गृहमंत्री अमित शाह का यूपी कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। संभवत: ब्रज क्षेत्र से गृहमंत्री अपने यूपी दौरे की शुरुआत कर सकते हैं।

सीटों को अलग-अलग कैटेगरी में बांटने की रणनीति

कैटेगरी- वो सीटें जहां बीजेपी पिछले 3 चुनाव से जीत रही है। बी कैटेगरी- जहां पार्टी कम अंतर से जीती। सी कैटेगरी- जहां पार्टी 2 बार से लगातार कम अंतर से हार रही है। डी कैटेगरी- ये वो सीटें हैं जो एसपी-कांग्रेस के परंपरागत गढ़ हैं। बीजेपी के मिशन में खास फोकस उन 61 सीटों पर भी है, जहां पार्टी पिछले तीन विधानसभा चुनावों 12, 17 और 22 में एक बार भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। यहां बूथ फीडबैक, जातीय समीकरण, लाभार्थी संपर्क और संभावित उम्मीदवारों का सर्वे सब कुछ नए सिरे से होगा। अमित शाह पिछले दो चुनाव में उत्तर प्रदेश जीत के चाणक्य रहे हैं इससे बीजेपी नेताओं को तीसरी जीत की भी पूरी उम्मीद है।

सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर दबाव की राजनीति तेज

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर दबाव की राजनीति तेज होती दिख रही है। दोनों दल सार्वजनिक बयानों के जरिये अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और बातचीत में बेहतर स्थिति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस गठबंधन में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी की बात कर रही है, जबकि सपा का जोर इस बात पर है कि सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर होना चाहिए। यूपी में विधानसभा

चुनाव में अब छह-सात महीने का समय बचा है। कांग्रेस इस बार गठबंधन में 150 से अधिक सीटों पर दावा जता रही है। वहीं, सपा नेतृत्व सीटों की संख्या बताने से बचते हुए कह रहा है कि गठबंधन का आधार केवल वही सीटें होनी चाहिए, जहां जीत की संभावना हो। कांग्रेस यह संदेश भी दे रही है कि उसके साथ गठबंधन होने पर ही विपक्षी वोटों का पूरा लाभमिल सकता है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस बसपा के साथ संभावित गठबंधन के संकेत भी देती रही है। हालांकि, बसपा ने ऐसे किसी संकेत को कभी महत्व नहीं दिया।

छोटे भाई की भूमिका से परहेज

कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने साफ कहा है कि पार्टी विधानसभा चुनाव सम्मान और बराबरी के आधार पर लड़ेगी। राजनीतिक जानकार इसे इस संकेत के रूप में देख रहे हैं कि कांग्रेस इस बार गठबंधन में छोटे भाई की भूमिका स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी सीट बंटवारे में भी इसी आधार पर अपनी हिस्सेदारी तय कराना चाहती है। वहीं, सपा नेताओं का कहना है कि 2022 के चुनाव में कांग्रेस को 107 सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटें ही जीत सकी। उनका यह भी कहना है कि जब कांग्रेस ने 22 में अलग चुनाव लड़ा तो उसे सिर्फ दो सीटें मिलीं। ऐसे में भाजपा को हराने के लिए सीटों की संख्या पर जोर देने के बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता होनी चाहिए।

भाजपा, बूथ और उम्मीदवार के प्रदर्शन के आधार पर करेगी बदलाव

2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 376 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिसमें से 255 सीटें जीती थीं। गठबंधन के साथ कुल 273 सीटों पर जीत दर्ज की थी। बीजेपी को अपनी सीटों में से 121 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। अब इन्हीं सीटों पर हार जीत का अंतर देखा जा रहा है। 22 में 49 सीटों पर जीत-हार का अंतर 5 हजार वोट से कम था यानी पार्टी मान रही है कि कुछ सीटों पर हार और जीत के बीच का अंतर संगठन, बूथ और उम्मीदवार के प्रदर्शन से बदला जा सकता है।

बयानों से ज्यादा हो रहा नुकसान

हाल ही में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा था कि 22 के विधानसभा चुनाव में सपा 120 सीटें भी नहीं जीत पाई थी, जबकि 24 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ आने से उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 37 हो गई। जवाब में सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि कुछ लोग बेवजह ज्ञान देकर मर्यादा भूल रहे हैं। गठबंधन मजबूत रखना है तो सार्वजनिक रूप से संयम और सौहार्द बनाए रखना चाहिए। इमरान मसूद समय-समय पर सपा पर मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों को पर्याप्त तरीके से न उठाने का आरोप भी लगाते रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावे में चोरी का विवाद का असर

बीजेपी के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। राम मंदिर चढ़ावे में चोरी का विवाद, 22 में हारी हुई सीटें और 2024 लोकसभा चुनाव का झटका। ऐसे में शाह की रणनीति साफ है सीट भी बचानी है और हारी हुई सीटें वापस भी लानी हैं। राम मंदिर बीजेपी की सबसे बड़ी वैचारिक पहचान का केंद्र रहा है इसलिए चढ़ावे का विवाद 27 से पहले पार्टी के लिए भावनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तर पर चुनौती बन गया है।

रथ यात्रा निकालेंगे अखिलेश यादव

अखिलेश यादव भी पीछे नहीं हैं, वो जल्द ही रथ यात्रा के जरिए जनता के बीच उतरने की तैयारी में हैं। यूपी में बीजेपी 2027 में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है क्योंकि यूपी की सत्ता में वापसी 2029 में लोकसभा चुनाव की राह आसान कर देती है। गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी बिसात बिछाना शुरू कर दी है। रणनीति बनाकर उसको जमीन पर उतारने का काम शुरू कर दिया है।

यूपी में तय समय पर होंगे विधानसभा चुनाव : ज्ञानेन्द्र कुमार

यूपी में जनगणना का तीसरा चरण जिसमें घर घर जाकर लोगों की गणना होनी है, फरवरी 27 में प्रस्तावित है। वहीं 17 और 22 की समय सारणी के अनुसार फरवरी-मार्च 27 में विधानसभा चुनाव होने हैं। जनगणना और चुनाव साथ-साथ कैसे हो सकते है, इस सवाल के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि जनगणना एक कानूनी प्रक्रिया है, जबकि विधानसभा चुनाव संवैधानिक प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि इसलिए संवैधानिक प्रक्रिया ज्यादा महत्वपूर्ण है। कहा कि यूपी में 22 मई 27 तक चुनाव कराना है, उससे पहले चुनाव करा दिया जाएगा। ज्ञानेश कुमार के कहने का आशय यह था कि विधानसभा चुनाव समय पर होंगे, आवश्यकता हुई तो जनगणना के कार्य को आगे-पीछे बढ़ाया जा सकता है। यहां बता दें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के विशेष साक्षात्कार में उनके हवाले से कि यूपी के विधानसभा चुनाव तय समय पर ही होंगे। ज्ञानेश कुमार ने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि अगर यूपी में एसआईआर के दौरान रिश्तों का मिलान यानी वर्ष 2003 की मतदाता सूची में माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी का नाम गलत ढंग से हुआ है, तो शिकायत मिलने पर उसे भी ठीक करने के लिए समुचित कदम उठाए जाएंगे। हालांकि उन्होंने सीसीटीवी की नजर में मतदान करने की संभावनाओं से इनकार किया। कहा कि यह वोटर की निजता व गोपनीयता के अधिकारों का हनन होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आम नागरिक को मिले जल्द व निष्पक्ष न्याय

पिछले हफ्ते पूरी दुनिया ने अंतर्राष्ट्रिय न्याय दिवस (17 जुलाई) मनाया। भारत में यह एक खास दिन था। पर इस अवसर पर हमें यह समझना ही होगा कि 21वीं सदी के भारत की न्यायिक व्यवस्था की सफलता इस बात से नहीं आंकी जाएगी कि उसने कितने ऐतिहासिक फैसले दिए, बल्कि इस बात से आंकी जाएगी कि उसने आम नागरिक को कितनी जल्दी, कितनी निष्पक्षता से और कितनी कम लागत में न्याय उपलब्ध कराया। यह दिवस केवल न्याय की महत्ता का स्मरण कराने का अवसर नहीं है, बल्कि यह स्वयं से एक कठिन प्रश्न पूछने का भी दिन है–क्या वर्षों बाद मिला न्याय वास्तव में न्याय कहलाता है? वाकई आज दुनिया के अनेक देशों की तरह भारत में भी करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। अनेक वादियों की पूरी उम्र अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते बीत जाती है। कई मामलों में निर्णय तब आता है जब पीड़ित या आरोपी इस दुनिया में ही नहीं रहते। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है और इस खास दिवस पर प्रासंगिक भी।

कानूनी मामलों के जानकारों के मुताबिक, दीर्घसूत्री न्याय के पीछे न्यायाधीशों की कमी, बार-बार स्थगन, जटिल कानूनी प्रक्रियाएँ, अपर्याप्त न्यायिक ढांचा और बढ़ते मुकदमों जैसी कई वजहें हैं। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि विलंबित न्याय केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्या भी बन जाता है। इससे आम नागरिक का न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर पड़ सकता है और कई बार लोग वैकल्पिक तथा गैर-कानूनी रास्तों की ओर भी आकर्षित हो सकते हैं। इस अवसर पर सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही है–क्या न्याय केवल सही निर्णय देने का नाम है, या सही समय पर सही निर्णय देना ही वास्तविक न्याय है? यदि न्याय समय पर नहीं मिलता, तो उसका नैतिक और व्यावहारिक महत्व दोनों कम हो जाते हैं। इसलिए न्यायिक सुधार, तकनीक का बेहतर उपयोग, न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि, वैकल्पिक विवाद निपटान को बढ़ावा और अनावश्यक स्थगनों पर नियंत्रण जैसी पहलें अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। भारत की स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय न्यायपालिका विश्व की सबसे स्वतंत्र और सम्मानित न्याय प्रणालियों में गिनी जाती है, जिसने अनेक ऐतिहासिक फैसलों से संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा की है। दूसरी ओर, त्वरित न्याय के पैमाने पर भारत अब भी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। इसलिए सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही है कि क्या भारत में न्यायालयों का उद्देश्य केवल न्याय देना है, या समय पर न्याय देना भी उतना ही आवश्यक है? जब एक पीढ़ी मुकदमा दायर करे और दूसरी पीढ़ी फैसला सुने, तो लोकतंत्र में न्याय की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

> अनेक वादियों की पूरी उम्र अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते बीत जाती है। कई मामलों में निर्णय तब आता है जब पीड़ित या आरोपी इस दुनिया में ही नहीं रहते। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है और इस खास दिवस पर प्रासंगिक भी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी का प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

दिल्ली के बीचों-बीच जंतर-मंतर से बस थोड़ी ही दूर, जहां सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे, भारत की संसद है जो जल्द ही शुरू होने वाले मॉनसून सत्र की तैयारी कर रही थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर वांगचुक का अनशन 21वें दिन में प्रवेश कर गया था। उसके दो दिन पहले एक जनहित याचिकाकर्ता ने कहा था कि अगर उन्हें जल्द ही कुछ खाने को नहीं मिला, तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। एक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही और विपक्ष के कई नेता सोनम से हड़ताल खत्म करने को कह रहे थे ; उनका कहना था कि उन्होंने अपनी बात रख दी है, लेकिन दिल्ली के दिल में भारी सन्नाटा पसरा रहा। क्या सोनम वांगचुक को उनके हालात पर छोड़ दिया जाना चाहिये? आखिरकार, किसी ने उनसे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आमरण अनशन करने के लिए नहीं कहा।

कुछ लोग कहेंगे कि इस हड़ताल में दबाव बनाने की नीति जैसा कुछ है, तो कुछ इसे ताकतवर लोगों की दुनिया में जनता की निराशा की पुकार मानेंगे। निश्चित रूप से, वांगचुक और उनके साथियों का मानना है कि नीट परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के लिए किसी को तो जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, वे गड़बड़ियां जिन्हें टाला जा सकता था और जिसने लाखों छात्रों को प्रभावित किया है। कुछ लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए- वरना इतने हंगामे और गुस्से का क्या मतलब था अगर इसका कोई नतीजा नहीं निकलने वाला? जंतर-मंतर पर वांगचुक के धरना स्थल (अब पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराधीन) के पास ही, मॉनसून सत्र की शुरुआत वाले दिन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने से इनकार करने के विरोध में एक दिन का प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। हालांकि उमर को तब तक प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इतना ही नहीं, श्रीनगर से उनकी पार्टी के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने उमर पर अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लड़ने के अपने वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया।

मेहदी गरजते हुए कहते हैं कि कश्मीर के लिए विशेष दर्जा, पूर्ण राज्य के दर्जे से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। इल्जाम मौसम को दिया जा सकता है, गर्मी इतनी है कि तल्खियां बढ़ी हुई हैं, खासकर जब बारिश नहीं हो। शायद देवता नाराज हैं। फिर, अयोध्या में भी चोरी की घटना हुई है। तो क्या मेहदी की नाराजगी यह संकेत देती है कि वे उमर

से इतने नाराज हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी दो फाड़ हो सकता है? या हो सकता है कि मेहदी सही समय का इंतजार कर रहे हों और वंशवाद का पासा पलटने की उम्मीद पाले हैं। या फिर वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में ही बने रहें, लेकिन जब भी भाजपा परिसीमन बिल लाने की योजना बनाए, तो उसके पक्ष में मतदान करें। इस बिल का मकसद विस्तारित संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा तय करना है- और यह समझने में कोई गलती न रहे कि इस बिल का मकसद चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से गठन करना है, जिससे भारत में मतदान का तरीका बदलेगा और लोकसभा की संरचना में भी बुनियादी बदलाव आएगा। संविधान में इतना बड़ा बदलाव करने के लिए, संविधान को सरसरी तौर पर पढ़कर भी आप समझ सकते हैं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है- यानी निचले सदन की 543 सीटों में से 360 सीटें, जबकि अभी उनके पास 293 सीटें हैं। अगर वे उस बिल को दोबारा लाना चाहते हैं जो पिछले ही अप्रैल में सदन में गिर गया था, तो उन्हें 67 और सांसदों का साथ चाहिए होगा। और जैसा कि महान चाणक्य ने कहा था, प्यार, जंग और राजनीति में सब कुछ जायज है। इसीलिए टीएमसी की टूटन उनके काम आ रही है -28 में से 20 सांसदों ने एक निर्दलीय पार्टी बना ली है जो बाहर से भाजपा का समर्थन करेगी; साथ ही शिवसेना (यूबीटी) का भी बुरा हाल है, जहां नौ में से छह सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना के ही भाजपा-समर्थक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं; वहीं शरद पवार की एनसीपी में भी यह डर बना हुआ है कि अगर उन्होंने परिसीमन बिल के पक्ष में वोट नहीं दिया तो पार्टी खत्म हो जाएगी। इस तरह, भले ही मॉनसून के बादल नहीं बरसे, लेकिन 18वीं लोकसभा की फिजा काफी हद तक बदल चुकी है।

जब मॉनसून सत्र शुरू होगा, तो यह उस लोकसभा से बिल्कुल अलग दिखेगी जिसे दो साल पहले हम लोगों ने चुना था, और यह सब बिना किसी चुनाव के हो गया। कुछ राज्यों में, मसलन, जम्मू-कश्मीर में, स्थिति आसान है। राज्य की कुल संसदीय 5 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास सिर्फ 2 सीटें हैं- 2 सीटें भाजपा के पास हैं और एक सीट बारामूला के इंजीनियर राशिद के पास है, जो निर्दलीय सांसद हैं। अगर मेहदी हाथ मिलाने को राजी हो जाएं और इंजीनियर राशिद को मनाया जा सके-क्योंकि 21वीं सदी में कौन नहीं लैंगिक समानता के पक्ष में होना चाहेगा? ध्यान रहे कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद को संसद में शामिल होने की इजाजत चंद दिन पहले ही दी है।

दिल और दिमाग के संतुलन से हासिल की कामयाबी

डॉ. रेणु सैनी

यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह अत्यधिक स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग—दोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति न केवल नए रास्ते बनाता है, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी स्थापित करता है।

प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में हृदय और मस्तिष्क का निवास होता है। दोनों पर साहित्यकारों एवं कवियों ने दुनियाभर में असंख्य नज्में और रचनाएं लिखी हैं। दिल दर्पण-सा नाजुक होता है, जो टूटकर बिखर जाता है और उसकी किरचें पूरे मन में धंस जाती हैं। वहीं मस्तिष्क को दिल का घुड़सवार माना जाता है। अक्सर लोग कहते हैं कि जो व्यक्ति मस्तिष्क के बल पर चलता है, वह दिल को काबू में रखना जानता है। वहीं जो लोग दिल को प्राथमिकता देते हैं, वे कई बार जीवन के कठिन रास्तों पर डगमगा जाते हैं। मगर जापानी दर्शन में कोकोरो कहता है कि, 'सोच और भावनाएं एक साथ जन्म लेती हैं।' कोकोरो दिल और दिमाग दोनों को एक मानता है। विचारकों का भी इस विषय में अलग-अलग मत है।

फ्रांसीसी दार्शनिक रेने डेकार्ट मस्तिष्क को सत्य तक पहुंचने का एकमात्र साधन मानते हैं, वहीं फ्रांसीसी दार्शनिक ब्लेज पास्कल का कहना है कि, 'दिल के पास अपने ऐसे तर्क होते हैं जिन्हें दिमाग कभी नहीं समझ सकता।' इस दर्शन की जड़ें जापान के दो प्रमुख दर्शनों से जुड़ी हुई हैं। इनमें एक है शिंतो दर्शन और दूसरा जेन दर्शन। शिंतो दर्शन का मानना है कि 'प्रकृति की प्रत्येक वस्तु में एक जीवंत ऊर्जा विद्यमान है। मनुष्य का कोकोरो अर्थात दिल और दिमाग भी उसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा का हिस्सा है, जो बुद्धि और भाव-दोनों से समृद्ध है।' जेन दर्शन में 'शिन' का अर्थ है-मूल स्वभाव। यह सिखाता है कि सत्य को केवल तर्क या केवल दिल से नहीं समझा जा सकता। सत्य का बोध तभी होता है, जब दोनों एक होकर शांत हो जाते हैं। जीवन में भी अनेक ऐसे लोग होते हैं, जो दिल और दिमाग दोनों का संतुलित उपयोग करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं और कोकोरो की अवधारणा को सही सिद्ध करते हैं। पंजाब के 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह ने यही साबित किया है। उन्होंने 23 मई, 2026 को एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता की पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

गुरिंदरवीर सिंह का कहना है, 'लोग कहते थे कि भारतीयों के पास 100 मीटर दौड़ के लिए उपयुक्त जीन नहीं हैं। मैं सबको गलत साबित करना चाहता था। भारतीयों के जीन बहुत मजबूत हैं और यह तो सिर्फ शुरुआत है।' 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह जापान के फुकुतो कोमुरो के समय से केवल 0.01 सेकंड पीछे रहे। फुकुतो कोमुरो का सर्वश्रेष्ठ समय 10.08 सेकंड है। सीनियर फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में पंजाब के गुरिंदरवीर और ओडिशा के अनिमेष के बीच अत्यंत रोचक मुकाबला देखने को मिला।

अनिमेष अपने पिछले वर्ष बनाए गए 10.18 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ प्रतियोगिता के प्रबल दावेदार थे। गुरिंदरवीर ने शुरुआती सेमीफाइनल हीट में इसे 10.17 सेकंड तक पहुंचा दिया। लेकिन केवल पांच मिनट बाद 22 वर्षीय अनिमेष ने दूसरे सेमीफाइनल हीट में 10.15 सेकंड का समय निकालकर रिकॉर्ड फिर अपने नाम कर लिया। इसके बाद फाइनल में गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकंड का समय निकालते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और चारों ओर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष दोनों अच्छे मित्र भी हैं। उनकी मित्रता में दिल और दिमाग दोनों में से कौन अधिक प्रभावी रहता है? इस प्रश्न पर गुरिंदरवीर सिंह मुस्कराते हुए कहते हैं, 'दिल और दिमाग दोनों का तालमेल बराबर काम करता है। तर्क, सोच और भावनाएं एक साथ ही शरीर में उमड़-घुमड़ रही होती हैं। ऐसे में यदि उनमें संतुलन न बनाया जाए तो बहुत-सी चीजें बिखर जाती हैं।'

इस दौड़ में उनके दिल और दिमाग के सामंजस्य ने ही उन्हें अपने मित्र का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रेरित किया। जापानी सोच के अनुसार विचार और भावनाएं अलग-अलग नहीं रह सकते। तार्किक निर्णय लेते समय भी भावनाएं साथ जुड़ी रहती हैं। कई बार जब भावनाएं या विचार एक-दूसरे पर हावी होने लगते हैं, तो कुछ-न-कुछ अवश्य टूटता है। वहीं जब दोनों का संतुलन बन जाता है, तो कार्य अधिक सुंदरता और सफलता के साथ पूर्ण होता है। जापानी दर्शन कोकोरो का यह संगम व्यक्ति को एक संतुलित इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह अत्यधिक स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग दोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति न केवल नए रास्ते बनाता है, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी स्थापित करता है। जापानी दर्शन कोकोरो यह बताता है कि मनुष्य का तन-मन कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां निरंतर प्रयोग किए जाएं। मनुष्य का दिल और दिमाग प्रकृति के दो अत्यंत मूल्यवान और शक्तिशाली उपहार हैं। इनका संतुलित और विवेकपूर्ण प्रयोग अनेक संबंधों को मजबूत बनाता है, नए आविष्कारों को जन्म देता है और संपूर्ण वसुधा को एक परिवार बनाने की दिशा में प्रेरित करता है।

गर्मी में स्वस्थ रहना है तो बदलें ये रोजमर्रा की आदतें

कम पानी पीने की आदत

गर्मी में शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है, जिससे पानी की कमी हो सकती है। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का सेवन भी फायदेमंद माना जाता है। गर्मी में शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स निकल जाते हैं। सिर्फ पानी नहीं, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स ...रूरी हैं, पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन हो सकता ..., जिससे चक्कर और कमजोरी बढ़ती है।

नींद पूरी न लेने की आदत

कम नींद लेने से शरीर जल्दी थकता है और इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। गर्मियों में कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूरी मानी जाती है।

धूप में ज्यादा देर रहने की आदत

दोपहर की तेज धूप में ज्यादा देर रहने से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी न हो तो दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। गर्मी में सूरज की किरणें दोपहर के समय सबसे ज्यादा तेज और नुकसानदायक होती हैं। सुबह 6-10 बजे के बीच लेवल कम होता है, इसलिए यह समय बाहर जाने के लिए बेहतर है। शाम 5 बजे के बाद तापमान गिरने लगता है। 12-3 बजे के बीच बाहर निकलने से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। अगर मजबूरी में निकलना पड़े तो सिर और शरीर को कवर जरूर करें।

सही कपड़ों का चयन न करना

बहुत टाइट और गहरे रंग के कपड़े पहनने से शरीर में गर्मी ज्यादा महसूस हो सकती है। हल्के रंग और ढीले कपड़े पहनना बेहतर माना जाता है। इसलिए आपके कपड़े भी गर्मी से बचाव में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हल्के रंग सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट करते हैं, ढीले कपड़े हवा को पास होने देते हैं, जिससे शरीर ठंडा रहता है, कॉटन फैब्रिक पसीना सोखता है और स्किन को आराम देता है, सिंथेटिक कपड़े गर्मी को फंसा लेते हैं, जिससे परेशानी बढ़ती है।

गर्मी के मौसम में लोगों को डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, थकान और पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान का असर सीधे शरीर पर पड़ता है, जिससे कई बार छोटी लापरवाही भी बड़ी परेशानी बन सकती है। गर्मियों में खानपान और रोजमर्रा की कुछ गलत आदतें शरीर को जल्दी बीमार बना सकती हैं। अगर आप चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में आपकी तबीयत खराब न हो और शरीर फिट व एनर्जेटिक बना रहे, तो कुछ आदतों को समय रहते बदलना जरूरी है। सही डाइट, पर्याप्त पानी और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर गर्मी से होने वाली कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसलिए लंबे समय तक धूप में रहने से शरीर में पानी की कमी, थकान, चक्कर और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले से तैयारी करें और कुछ आसान लेकिन असरदार उपाय अपनाएं। सही जानकारी और थोड़ी सावधानी के साथ आप न सिर्फ धूप के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं, बल्कि पूरे दिन खुद को एक्टिव और सुरक्षित भी रख सकते हैं।

जंक फूड ज्यादा खाना

गर्मी में तला-भुना और मसालेदार खाना पेट खराब कर सकता है। हल्का, ताजा और घर का बना खाना खाने की सलाह देते हैं। गर्मी में आपका डाइट सीधा आपकी बॉडी पर असर डालता है। इसलिए तरबूज, खीरा, ककड़ी जैसे फल शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखते हैं, हल्का और जल्दी पचने वाला खाना बेहतर होता है, तला-भुना और मसालेदार खाना शरीर में गर्मी बढ़ाता है, सही डाइट से हीट एग्जॉशन का खतरा कम होता है।

हंसना मना है

पति- अगर मैं मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ- नहीं, मैं अपनी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ- अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबैंड - मैं भी तुम्हारी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त- 'यार मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त- 'तुमने उसे बताया के तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त :' हां मैंने बताया था। दूसरा दोस्त - 'तो फिर पहला दोस्त - अब वो मेरी चाची है।

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी..! और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

पति मरते वक्त बीवी से- अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवी- मैने आपको माफ किया! पति- तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी- कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचर- बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन सा होता है? पप्पू- किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

कहानी | जब पंडित जी नदी में बह गए..

आज गंगा पार होने के लिए कई लोग एक नौका में बैठे, धीरे-धीरे नौका सवारियों के साथ सामने वाले किनारे की ओर बढ़ रही थी, एक पंडित जी भी उसमें सवार थे। पंडित जी ने नाविक से पूछा क्या तुमने भूगोल पढ़ी है? भोला-भाला नाविक बोला भूगोल क्या है इसका मुझे कुछ पता नहीं। पंडितजी ने पंडिताई का प्रदर्शन करते हुए कहा, तुम्हारी पाव भर जिंदगी पानी में गई। फिर पंडित जी ने पूछा, क्या इतिहास जानते हो? महारानी लक्ष्मीबाई कब और कहां हुई तथा उन्होंने कैसे लड़ाई की? नाविक ने कहा नहीं, तो पंडित जी ने विजयीमुद्रा में कहा ये भी नहीं जानते तुम्हारी तो आधी जिंदगी पानी में गई। फिर पंडित जी ने पूछा महाभारत का भीष्म या रामायण का केवट और भगवान श्रीराम का संवाद जानते हो? नाविक ने इशारे में ना कहा, तब पंडित जी बोले तुम्हारी तो पौनी जिंदगी पानी में गई। तभी अचानक गंगा में प्रवाह तीव्र होने लगा। नाविक ने सभी को तूफान की चेतावनी दी, और पंडितजी से पूछा नौका तो तूफान में डूब सकती है, क्या आपको तैरना आता है? पंडित जी गभराहट में बोले मुझे तो तैरना-वैरना नहीं आता है? नाविक ने स्थिति भांपते हुए कहा- तब तो समझो आपकी पूरी जिंदगी पानी में गयी। कुछ ही देर में नौका पलट गई। और पंडित जी बह गए।

शिक्षा- विद्या वाद-विवाद और दूसरों को नीचा दिखाने के लिए नहीं है। लेकिन अभिमान में कुछ लोग इस बात को भूल जाते हैं और दूसरों का अपमान कर बैठते हैं। याद रखिये शास्त्रों का ज्ञान समस्याओं के समाधान में प्रयोग होना चाहिए शस्त्र बना कर हिंसा करने के लिए नहीं। कहा भी गया है, जो पेड़ फलों से लदा होता है उसकी डालियां झुक जाती हैं। धन प्राप्ति होने पर सज्जनों में शालीनता आ जाती है। इसी तरह , विद्या जब विनयी के पास आती है तो वह शोभित हो जाती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

तुला

मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु

व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कुम्भ

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। चिंता बनी रहेगी।

मीन

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। फालतू खर्च होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

40 की उम्र में मैं दांव पर लगा दिया था अपना करियर : आर माधवन

रहना है तेरे दिल में, रंग दे बसंती और 3 इडियट्स जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले पॉपुलर एक्टर आर माधवन अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहते हैं। अब माधवन अपने लेटेस्ट इंटरव्यू को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, माधवन ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर का खुलासा किया है। फिल्म कंपैनियन को दिए इंटरव्यू में माधवन ने बताया कि जब वो 40 साल के आसपास के थे, तब सिनेमा को लेकर उनका उत्साह पूरी तरह खत्म हो चुका थास्स्स् वो बिना किसी दिलचस्पी के बस मशीनी तौर पर काम किए जा रहे थे और इस बात का अहसास सबसे पहले उनकी पत्नी सरिता ने उन्हें कराया था। इंटरव्यू में उस दौर को याद करते हुए माधवन ने कहा कि उस वक्त वो जो भी फिल्में कर रहे थे, उन्हें ठीक-ठाक सफलता मिल रही थी। न तो कोई बड़ी तारीफ हो रही थी और न ही करियर में कोई उछाल आ रहा था। माधवन ने कहा, मेरे जीवन में एक ऐसा फेज आया जब मैं सुबह उठकर सेट पर भागने या किसी कहानी के बारे में सोचने का रोमांच खो चुका था। मुझे खुद भी अंदाजा नहीं था कि मेरे अंदर का वो जूनून खत्म हो रहा है, लेकिन मेरी पत्नी सरिता ने इस बात को पकड़ा और मुझे टोक दिया। माधवन के लिए ये बात एक बड़े झटके जैसी थी। उन्होंने सोचा कि जिस उम्र में एक्टर्स अपने करियर के सबसे बेहतरीन दौर में होते हैं, वहां वो सबकुछ क्रूज़ कंट्रोल (आराम से चलने वाले मोड) पर छोड़कर बैठ गए हैं। उन्होंने कहा, मेरे अंदर एक अलग ही तरह का ओवर-कॉन्फिडेंस आ गया था। मैं एक ऐसे कम्फर्ट ज़ोन में चला गया था जो असल में मुझे अंदर ही अंदर खत्म कर रहा था। इस आराम की वजह पैसा था। माधवन ने आगे कहा, उस वक्त तक मुझे घर चलाने या बिल भरने के लिए फिल्मों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं थी। ब्रांड एंडोर्समेंट्स और पब्लिक इवेंट्स से इतनी कमाई हो रही थी कि फिल्में चलें या न चलें, मेरा लाइफस्टाइल शानदार चल रहा था।

सीजेपी प्रोटेस्ट में लाठीचार्ज पर दुखी हुए बॉलीवुड कलाकार

सोमवार को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की तस्वीरें सामने आने के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी से लेकर भूमि पेडनेकर और अनुराग कश्यप सहित तमाम सेलेब्स ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आवाज उठाई है।

हुमा कुरैशी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज की तस्वीरें मेरे जहन में लंबे समय तक रहेंगी। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर इतनी बेरहमी और लाठियों का इस्तेमाल होते देख मुझे बहुत दुख हुआ। इसे निश्चित रूप से ज्यादा सब्र, लोगों की बात सुनने और बातचीत के जरिए संभाला जा सकता था। उन्होंने आगे कहा, हम भारत के लोगों ने ही इस सरकार को चुना है और आज हम सभी को सवाल पूछने और जवाबदेही की उम्मीद करने की जरूरत है। हम एक बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश हैं। जरूरी नहीं कि हम हर मुद्दे पर सहमत हों, लेकिन हम निश्चित रूप से इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि बल प्रयोग करने से पहले हर नागरिक की बात सम्मान के साथ सुनी जानी चाहिए।

हुमा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, हर उस छात्र और नागरिक का सम्मान है, जिन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मान्यताओं के लिए खड़े होने का फैसला किया, जय हिंद।

इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट में भूमि पेडनेकर ने लिखा, हिंसा समाधान नहीं है। भूमि ने कहा कि देश का अपने युवाओं के प्रति यह फर्ज है कि वह यह सुनिश्चित करे कि आंदोलन हिंसक न हो और अपने मकसद से न भटके, उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र बातचीत से ही बनते हैं। भूमि ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की भी मांग की और पेपर लीक, परीक्षा में विफलता, समान अवसर न मिलना, शिक्षकों की कमी और छात्रों पर पड़ने वाले दबाव जैसे मुद्दों को उठाया जिन पर ध्यान देने की जरूरत है।

15 साल बाद बड़े पर्दे पर कमबैक करने जा रही हैं सेलिना जेटली

सेलिना जेटली अब जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली हैं, जिसके लिए उनके फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। करीब 15 सालों से वो इंडस्ट्री से दूर रही और अपने निजी जिंदगी की मुश्किलों में संघर्ष कर रही हैं। पति के साथ कानूनी विवादों के बीच भी उन्होंने वापसी करने का फैसला लिया, जो उनके लिए मुश्किल रहा। इसी बीच उन्होंने अपनी आनन्ने वाली एक पोस्ट शेयर किया और एक भावुक नोट लिखा, जो वायरल हो रहा हैं।

सेलिना ने अपने एक्स अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट की और लिखा, मेरे लिए ये समय आसान नहीं है। हालांकि मेरे पास एक्टिंग में लौटने के अलावा और कोई ऑप्शन भी नहीं हैं। यही मेरी स्ट्रेंथ है और इसी से मैं अपनी मुश्किल जिंदगी से बाहर निकल सकती हूं। मुझे भरोसा है कि मुझे आप सभी का प्यार और सपोर्ट मिलेगा। जो भी मेरे साथ है, उनकी मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

बता दें कि सेलिना ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के बिजनेसमैन पीटर हाग से शादी की थी और 2012 में जुड़वा बेटों का स्वागत किया था। वहीं 2017 में उन्होंने फिर जुड़वा बच्चों को जन्म दिया, लेकिन जन्म से ही एक बेटे को हार्ट से जुड़ी बीमारी थी और उसने दुनिया को अलविदा कह दिया। वहीं 2025 में सेलिना ने अपने पति पर डोमेस्टिक वायलेंस के आरोप लगाए। कोर्ट से मिली जॉइंट कस्टडी के बाद भी सेलिना अपने बच्चों के साथ अलग रह रही हैं और ये मामला अभी भी कोर्ट में हैं। वहीं बात करें फिल्म की, तो सिस्टर निवेदिता की कहानी आयरलैंड में जन्मी टीचर मार्गरेट एलिजाबेथ नोबल पर है, जिन्होंने स्वामी विवेकानंद से प्रेरित होकर अपनी पूरी जिंदगी सेवा और भगवान की भक्ति में बीता दिया। फिल्म को राम कमल मुखर्जी निर्देशित कर रहे है और इसके निर्माता अरित्रा दास और सर्बानी मुखर्जी हैं।

अजब-गजब | इस नाव की नीलामी ने दुनिया को किया हैरान

अरबों की इस नाव की हुई मात्र 130 रुपये में बिक्री

ड्रग्स तस्करी की दुनिया में एक बड़ी घटना ने सबको हैरान कर दिया है। आयरिश अधिकारियों ने साल 2025 में जब्त की गई एक विशाल नाव को महज एक यूरो (लगभग 130 रुपये) में एक प्राइवेट कंपनी को बेच दिया। यह नाव ड्रग्स सप्लाई के लिए इस्तेमाल हो रही थी और इसमें 2.2 टन कोकीन बरामद हुई थी, जिसकी स्ट्रीट वैल्यू करीब 133 मिलियन पाउंड थी। लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इस नाव की देखभाल पर आयरिश सरकार ने 17 मिलियन यूरो (करीब 150 करोड़ रुपये) से ज्यादा खर्च कर दिए थे।

नाव का नाम MV Matthew था। यह पनामा रजिस्टर्ड एक बड़ी शिप थी, जो लगभग 200 मीटर लंबी थी। यह वेनेजुएला के पास कुराकाओ से निकली थी और अटलांटिक महासागर पार करके आयरलैंड के पानी में पहुंची थी। आयरिश नेवी और अन्य एजेंसियों ने खतरनाक मौसम में इसकी पीछा किया। आर्मी रेंजर्स ने रस्सी के जरिए नाव पर छलांग लगाई और इसे कब्जे में ले लिया। नाव पर छिपाकर ले जा रहे 2.2 टन कोकीन जब्त कर लिए गए। यह आयरलैंड के इतिहास में सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी थी। नाव पर सवार 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें नीदरलैंड और ईरान के नागरिक भी शामिल थे। सभी को कुल 121 साल की सजा सुनाई गई।

नाव को जब्त करने के बाद Cork पोर्ट में रखा गया था। सरकार को इसे लगातार क्रू मेंटेन करना पड़ा क्योंकि यह बहुत बड़ी नाव थी। पर्यावरण और पोर्ट के लिए बड़ा रिस्क थी। इंश्योरेंस, फ्यूल, मेंटेनेंस, बर्थेज और रिपेयरिंग का खर्च लगातार बढ़ता गया। सरकार का बयान जारी कर बताया था कि नाव को सुरक्षित रखने के लिए ये खर्च जरूरी थे। कुल मिलाकर 17 मिलियन यूरो (करीब 150 करोड़ रुपये) खर्च हो गए थे।

लंबे समय तक खर्च उठाने के बाद सरकार ने फैसला किया कि अब इसे बेच दिया जाए। एक अनाम शिपिंग कंपनी ने इसे सिर्फ 1 यूरो में खरीद लिया। कंपनी अब इसे Cork से Bulgaria के Varna पोर्ट ले जा रही है। यह खबर सोशल मीडिया और न्यूज में तेजी से वायरल हो गई। कई लोगों ने इसे सरकार की बर्बादी बताया तो कुछ ने कहा कि रखरखाव का खर्च इतना ज्यादा हो गया कि बेचना ही बेहतर था।

ट्रेन की पटरी के बीच क्यों फेंके जाते हैं पत्थर? ज्यादातर लोग नहीं परिचित होंगे इसकी सच्चाई से

भारत में रोजाना लाखों-करोड़ों यात्री ट्रेनों से सफर करते हैं। ट्रेन की खिड़की से बाहर झांकते ही सबसे पहले नजर आती है पटरी के दोनों तरफ बिछे हुए पत्थर। कई लोग सोचते हैं कि ये पत्थर सिर्फ भराव के लिए या सजावट के लिए डाले गए हैं। लेकिन असलियत बिल्कुल अलग है। ये पत्थर रेलवे ट्रैक की जान हैं। इन्हें बैलास्ट कहते हैं और इनके बिना रेलवे सिस्टम चल ही नहीं सकता। बैलास्ट (आमतौर पर ग्रेनाइट, क्वार्ट्ज या बेसाल्ट के पत्थर) होते हैं जो ट्रैक के नीचे स्लीपरों के चारों तरफ बिछाए जाते हैं। इनका मुख्य काम ट्रेन के भारी वजन को सहना, शॉक अब्जॉर्ब करना और पूरी पटरी को स्थिर रखना है। जब ट्रेन तेज रफ्तार से गुजरती है तो भारी वजन और कंपन पैदा होता है। बैलास्ट यह कंपन सोख लेता है और स्लीपरों को हिलने नहीं देता। अगर बैलास्ट ना हो तो स्लीपर हिलेंगे, रेल पटरियां बिखर जाएंगी और बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इन पत्थरों को लगाए जाने के मुख्य कारण हैं। **स्थिरता:** बैलास्ट पटरियों को जगह पर लॉक करके रखता है। ट्रेन के आने-जाने से होने वाले लेटरल और वर्टिकल मूवमेंट को रोकता है। **ड्रेनेज:** पत्थरों के बीच खाली जगह होने से बारिश का पानी आसानी से निकल जाता है। अगर पानी जमा रहा तो स्लीपर सड़ सकते हैं और पटरी कमजोर हो जाएगी। **वजन बांटना:** ट्रेन का वजन (इंजन + कोच + यात्री) हजारों टन होता है। बैलास्ट इस वजन को बड़े क्षेत्र में फैलाकर जमीन पर ट्रांसफर करता है। **खरपतवार नियंत्रण:** पत्थरों की परत से घास-फूस नहीं उग पाती, जो ट्रैक को नुकसान पहुंचा सकती है। **शॉक अब्जॉर्प्शन:** तेज गति पर ट्रेन से होने वाले झटके को बैलास्ट सोख लेता है, जिससे यात्रा सुचारू और सुरक्षित रहती है। भारतीय रेलवे में बैलास्ट की मोटाई आमतौर पर 25-30 सेंटीमीटर होती है। पत्थरों का साइज 2.5 से 6.5 सेंटीमीटर तक रखा जाता है ताकि वे एक-दूसरे को अच्छे से लॉक कर सकें। **इंजीनियरिंग का कमाल:** रेलवे इंजीनियरिंग में बैलास्ट को ट्रैक बेड का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। बिना बैलास्ट के हाई स्पीड ट्रेनें (वंदे भारत जैसी) चलाना नामुमकिन है। वंदे भारत जैसी ट्रेनें 130-160 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती हैं, इसके लिए बैलास्ट की क्वालिटी और मोटाई बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। पत्थरों को खास मशीनों से बिछाया जाता है। रखरखाव के दौरान पुराने बैलास्ट को साफ करके नया डाला जाता है क्योंकि समय के साथ पत्थर पिस जाते हैं और उनकी क्षमता कम हो जाती है।

मध्य प्रदेश में खाद-बीज को लेकर हंगामा

कांग्रेस का भाजपा सरकार पर हमला मंत्री ने कहा- कमी की बात गलत

» पंचायत स्तर पर खाद का वितरण किया जाए : कंसाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मानसून सत्र के पहले दिन नियम-139 के तहत खाद-बीज की उपलब्धता और कम बारिश की स्थिति पर सदन में लंबी चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हर साल पर्याप्त खाद का दावा किया जाता है, लेकिन किसान समय पर खाद नहीं मिलने से परेशान हैं। सिंघार ने कहा कि किसान यूरिया के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहता है, लेकिन उसे खाद की जगह सिर्फ ओटीपी मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार सर्वर डाउन होने के कारण किसान बिना खाद लिए लौट जाते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर खाद का वितरण किया जाए, ताकि कालाबाजारी पर रोक लगे और किसानों को आसानी से खाद मिल सके। उन्होंने कहा कि मुद्दा सरकारी आंकड़ों का नहीं, बल्कि किसानों तक खाद पहुंचने का है। सरकार चाहे तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों की संयुक्त समिति (जेपीसी) बनाकर किसानों के बीच जाए, जिससे जमीनी स्थिति सामने आ जाएगी। हालांकि सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

किसानों के साथ सरकार खड़ी: विश्वास कैलाश सारंग

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रदेश में खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस वर्ष को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। सारंग ने कहा कि प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा जरूर हुई है, लेकिन औसतन केवल 16 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल अलीराजपुर जिला अल्प वर्षा की श्रेणी में है। मंत्री ने कहा कि खाद वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए ई-विकास पोर्टल लागू किया गया है। कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करते हुए 10 लाइसेंस निरस्त किए गए हैं और 16 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है।

कमी वाले क्षेत्र की जानकारी दें : कृषि मंत्री एदल

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि प्रदेश में खाद और बीज की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में कमी है तो संबंधित विधायक जानकारी दें, सरकार तुरंत व्यवस्था करेगी। कंसाना ने कहा कि यदि किसानों को खाद-बीज नहीं मिल रहा होता तो मध्यप्रदेश लगातार कृषि कर्मण पुरस्कार नहीं जीतता। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसानों को खाद नहीं मिलने की बात तथ्यहीन है। बहस के दौरान मंत्री कंसाना के एक बयान पर सदन में हंगामा भी हुआ। उन्होंने कहा कि जो किसान और सेना का अपमान करता है, वह सत्ता में आने के योग्य नहीं है। इस पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और कुछ देर तक सदन में नोकझोंक चली।

अभिषेक को लगा झटका विदेश जाने पर रोक

» कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाज़त देने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही उन्हें चुनावी भाषण मामले में पुलिस की सख़्त कार्रवाई से 30 सितंबर तक अंतरिम सुरक्षा दे दी। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच ने सरकारी स्वरूप मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में जांच कराने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा की अर्जी तभी विचार किया जा सकता है, जब हॉस्पिटल का मेडिकल बोर्ड यह पाए कि कोलकाता में इलाज संभव नहीं है।

इस मामले की सुनवाई अगले महीने फिर होगी। बनर्जी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि वह पिछले 10 सालों से अपने इलाज के लिए अमेरिका जा रहे हैं और उन्हें यात्रा करने की इजाज़त मिलनी चाहिए। एडिशनल एडवोकेट जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि बनर्जी के भारत से बाहर रहने पर चल रही जांच पर असर पड़ेगा, जिसमें वह मामला भी शामिल है जिसमें उन पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले प्रचार भाषणों में भड़काऊ बातें कहने का आरोप है। 15 मई को बनर्जी पर उनके प्रचार भाषणों को लेकर भारतीय न्याय संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर लगे आरोपों में से दो आरोप गैर-ज़मानती हैं। 16 जून को, क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने बनर्जी से लगभग साढ़े छह घंटे तक पूछताछ की। 10 जुलाई को जस्टिस भट्टाचार्य ने चुनाव भाषण मामले में दो नोटिस मिलने के बावजूद अपना वॉयस सैंपल न देने के लिए बनर्जी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने पुलिस की सख़्त कार्रवाई से 31 जुलाई तक की राहत सिर्फ़ इस शर्त पर दी थी कि बनर्जी जांच करने वालों का सहयोग करेंगे।

तलाक मांगना एक बात, पति की आजीविका छीनना और भी बदतर : सुप्रीम कोर्ट

» पत्नी की याचिका पर शीर्षकोर्ट की टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या पत्नी को शादी के झगड़े में अपने पति के नियोक्ता को शामिल करना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने शादी के केस के दौरान पत्नियों के अपने पति के नियोक्ताओं को लिखने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी शिकायतों से नौकरी जा सकती है और आखिर में मेंटेनेंस क्लेम पर असर पड़ सकता है। यह बात जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने पिछले हफ्ते एक महिला की ट्रांसफर पिटीशन पर सुनवाई करते हुए कही। महिला ने अपने पति के दोस्त द्वारा दायर मानहानि के केस को असम से गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ट्रांसफर करने की मांग की थी।

पत्नी ने केस ट्रांसफर करने की मांग इस आधार पर की कि वह पहले से ही गाजियाबाद में अपने पति के खिलाफ कई कानूनी मामलों में उलझी हुई है। जस्टिस नागरत्ना ने गौर किया कि कई पत्नियां अपने पतियों के नियोक्ताओं को पत्र लिखने का तरीका अपना रही हैं, जिससे उनकी नौकरी चली जाती है। उन्होंने कहा कि तलाक लेना एक बात है लेकिन जीवनसाथी की रोजी-रोटी छीन लेना उससे भी बुरा है। सुनवाई के दौरान पत्नी के वकील ने कहा कि वह पहले से ही गाजियाबाद में अपने पति के साथ कई केस में शामिल थी और उसके पति के कहने पर उसके करीबी दोस्त और कलीग ने उसके खिलाफ मानहानि का केस किया था। मानहानि का केस पत्नी के दिल्ली में एयर फोर्स अधिकारियों को दिए गए एक रिप्रेजेंटेशन से शुरू हुआ, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसका पति एक एयर फोर्स ऑफिसर है और सर्विस नियमों का उल्लंघन करके एक इंडिपेंडेंट बिजनेस चला रहा है।

दहिया जंतर-मंतर की जिम्मेदारी से न भागें

» सीजेपी प्रवक्ता पर भड़कीं शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक प्रवक्ता विजेता दहिया पर आरोप लग रहे हैं कि वह संसद मार्च से गायब हो गए और दिल्ली में इधर-उधर मस्ती करते नजर आए। उनपर यह भी आरोप है कि वह आंदोलन भड़का कर जब इसकी जिम्मेदारी लेने की बारी आई तो वहां से कन्नी काट लिया। इसी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने उनपर बहुत ही तीखा हमला बोला है। दरअसल, सोशल मीडिया पर विजेता दहिया के दो वीडियो सोमवार से ही चल रहे हैं।

इसमें वह यह भी कहते सुने जा रहे है कि मैं किसी के लिए जवाबदेह नहीं हूं, किसी ने मुझे यह सब करने के लिए चुना नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा है -सीजेपी के प्रवक्ता विजेता दहिया, जो सभी प्लेटफॉर्म पर नाच रहे थे, जिन्होंने स्वामी प्रेमानंद महाराज को अपशब्द कहा, कल प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया? क्या ये सही है? प्रियंका चतुर्वेदी, पूर्व राज्यसभा सांसद, शिवसेना (यूबीटी)वे कह रहे हैं कि वह जवाबदेह नहीं हं।"विजेता दहिया के वीडियो मैसेज को देखकर तो उद्धव सेना की पूर्व राज्यसभा सांसद और भड़क गई हैं। उन्होंने लिखा- उनका एक जबरदस्त वीडियो है, जिसमें वे कह रहे हैं कि वह जवाबदेह नहीं हैं और वे चुने नहीं गए हैं, इसलिए उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं? प्रियंका चतुर्वेदी के सवालों पर प्रीतम कोठाडिया नाम के एक एक्स हैंडल पर दोनों वीडियो डालते हुए लिखा गया है- हां ये सही है। हां उन्हें मैकडॉनल्ड में पकड़ा गया और पूछा गया तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। अब उन्होंने एक वीडियो डाला है और अपने बर्गर आउटिंग का बचाव करते हुए कहा है कि क्या किसी ने उन्हें प्रदर्शन करने के लिए चुनकर भेजा है? वो बर्गर खाएंगे...कितनी बेशर्मी। दोनों वीडियो साझा कर रहा हूं....उनका घमंड तो देखिए।

अब 20 को होगी राहुल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि 20 अगस्त तय की है। अभी मामले में दिया गया विस्तृत आदेश अपलोड नहीं हुआ है।

इससे पहले 12 मई को हाईकोर्ट ने मामले में सीबीआई, ईडी समेत 10 केंद्रीय एजेंसियों को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। यह मामला कोर्ट निगरानी (मॉनिटरिंग) में चल रही जांच से जुड़ा है। वहीं इससे पहले मप्र में कार्तिकेय सिंह ने भोपाल की एक अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत की थी। जिस पर कांग्रेस नेता ने माफी मांगी थी।

आईसीसी ने किया जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का एलान

» पुरुष वर्ग में नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में डैनी व्यॉट-हॉज सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी ने जून 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। 27 वर्षीय नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत में न्यूजीलैंड के लिए नई गेंद से जिम्मेदारी संभाली और पूरी सीरीज में 23 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा।

अवार्ड मिलने पर स्मिथ ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उनकी प्राथमिकता हमेशा टीम की जीत में योगदान देना रही है। उन्होंने कहा कि चोटों के कारण उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी पड़ी और वह इस चुनौती पर खरा उतरने से संतुष्ट हैं। महिला वर्ग में इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज ने आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी के दम पर यह पुरस्कार अपने नाम किया। उन्होंने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी को पछाड़कर यह सम्मान हासिल किया। डैनी व्यॉट-हॉज ने कहा कि घरेलू सरजमीं पर विश्व कप के दौरान यह सम्मान मिलना उनके लिए बेहद गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भले ही इंग्लैंड खिताब जीतने से चूक गया, लेकिन टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

श्रीलंका से टेस्ट सीरीज से पहले भारत खेलेगा चार दिवसीय वार्म-अप मैच

कोलंबो। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कोलंबो में सात से 10 अगस्त तक चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। टीम के चार अगस्त को कोलंबो पहुंचने की संभावना है। यह अभ्यास मैच खिलाड़ियों को श्रीलंका की पिचों और मौसम के अनुरूप खुद को तैयार करने का अच्छा अवसर देगा, जिससे मुख्य टेस्ट सीरीज में टीम बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी। अभ्यास मैच के बाद भारतीय टीम गॉल रवाना होगी, जहां दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक सिन्हलीज स्पोर्ट्स क्लब (एसएससी), कोलंबो में आयोजित होगा। दोनों मुकाबले स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे से शुरू होंगे।

छात्रों पर हुए लाठीचार्ज से आगबबूला हुआ देश

सीजेपी व किसानों के आंदोलन के समर्थन में पूरा विपक्ष, कांग्रेस, सपा, आप व टीएमसी ने एनडीए सरकार को घेरा

» धर्मेंद्र प्रधान, अमित शाह, पीएम को भी देना चाहिए इस्तीफा : राहुल गांधी

» पीएम मोदी ने परीक्षा देश का मामला, मिलकर निकालेंगे हल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेपी व किसानों के आंदोलन के बीच पूरे विपक्ष ने केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला है। सपा,आप, कांग्रेस,टीएमसी समेत सभी दलों ने सोमवार को आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर पीएम मोदी व गृहमंत्री पर हला करते हुए उन दोनों का इस्तीफा मांगा। देश में सोशल मीडिया से लकर नुक्कड़ चौराहों पर सरकार के इस कदम की आलोचना भी खूब हो रही है।

छात्रों के समर्थन में जगह-जगह छात्र संगठनों ने प्रदर्शन भी किए। उधर लोक सभा में नेताप्रतिपक्ष ने पीएम से छात्रों से माफी मांगने को कहा है। साथ ही इस मुद्द को लोस में उठाने की बात करते हुए लोस स्पीकर से मुलाकात की। वहीं पीएम ने कहा परीक्षा के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए सरकार सबके साथ बात करके इस समस्या को हल निकालने का प्रयास करेगी।

युवाओं के साथ ऐसा बर्ताव नहीं किया जाना चाहिए : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, बात यह है कि देश के युवाओं के साथ ऐसा बर्ताव नहीं किया जाना चाहिए। देश के

युवाओं के पास मौके नहीं हैं, सारे दरवाज़े बंद हैं, कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम का एक दरवाज़ा खुला था, उसे भी बर्बाद कर दिया गया है। यहां मौजूद छात्र सिर्फ एजुकेशन सिस्टम के बारे में ही नहीं, बल्कि अपने भविष्य के बारे में भी शिकायत कर रहे हैं. वे मिस्टर अंबानी और मिस्टर अडानी, और आरएसएस के एजुकेशन सिस्टम पर पूरी तरह कब्ज़ा करने की वजह से शिकायत कर रहे हैं। यह युवाओं के भविष्य का मामला है.। वे अंबानी की शादी और वहां खर्च हुए 1000 करोड़ रुपये देखते हैं, जबकि उनके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए पैसे नहीं हैं, यह मामला एजुकेशन से कहीं बड़ा है। भारत के छात्र कह रहे हैं कि भारत में उनका कोई भविष्य नहीं है. यह बात सही है, धर्मेंद्र प्रधान, गृह मंत्री और प्रधानमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी को भारत के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री बताया और उन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाने का आरोप लगाया। गांधी ने दावा किया कि 152 परीक्षा पेपर लीक हुए और 7.5 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े संकट के बावजूद किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति को सजा नहीं दी गई।

प्रदर्शनकारी को हटा रहे, मंत्री को नहीं : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है, अखिलेश ने कहा कि सरकार प्रदर्शनकारी को हटा रही है, लेकिन मंत्री को क्यों नहीं हटा रही है, सरकार को दबे राज खुलने का डर है, उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस का व्यवहार हिटलर जैसा है. आजादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ। कुछ लोग सिविल ड्रेस में मार रहे थे. छात्रों को करंट लगाया गया, ये लोकतंत्र में कभी स्वीकार्य नहीं।

60 साल में ऐसा माहौल नहीं देखा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र को खत्म करने और संसद में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अन्याय के मुद्दों पर बोलते समय सदन में उनका माइक बंद कर दिया गया। खरगे ने सरकार के इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए गृह मंत्री से जवाब देने की मांग की।

संसद परिसर में अपनी बात रखते हुए खरगे ने कहा,हम देश में हो रहे अन्याय, उत्पीड़न और दबाव के मुद्दों को संसद में उठाना चाहते थे और इसके लिए समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने इस विषय पर बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। क्या इसी को लोकतंत्र कहते हैं? अगर आप लोकतंत्र में चर्चा ही नहीं कराना चाहते और हमारी आवाज सुनना ही नहीं चाहते, तो हम अपनी बात कहने कहां जाएं?उन्होंने आगे सरकार से सवाल पूछते हुए कहा, हम यह भी जानना चाहते हैं कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ क्या बातचीत हुई और उनकी आंतरिक बैठक में क्या फैसले लिए गए? जनता को यह सच्चाई बताना बेहद जरूरी है। इसीलिए हमने इस विषय पर सदन में चर्चा और गृह मंत्री के आधिकारिक बयान की मांग की थी। फ्लोर लीडर्स को इस पर बोलने का मौका मिलना चाहिए था।

ये हमारे छात्र हैं, इन पर आंसू गैस क्यों?

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए सरकार पर शिक्षा नीति पर संसद में चर्चा से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जहां विपक्ष गंभीर मुद्दों पर बहस चाहता है, वहीं छात्रों को आंसू गैस और लाठीचार्ज का सामना करना पड़ रहा है, जो संसदीय गतिरोध और छात्र विरोधों के प्रति कठोर सरकारी रवैये को दर्शाता है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जहां विपक्ष शिक्षा क्षेत्र के अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है, वहीं इस मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों के साथ सख्ती बरती जा रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सब चर्चा की मांग कर रहे हैं। शिक्षा नीति में कई समस्याएं और बड़े मुद्दे हैं। फिर भी, आप इस पर चर्चा करने को तैयार नहीं हैं; इसके बजाय, आप छात्रों पर आंसू गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं। किसलिए? वे हमारे बच्चे हैं।

सदन में उठाएंगे लाठीचार्ज का मुद्दा : वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सीजेपी प्रोटेस्ट पर कहा, देश की राजधानी में बेरहम रवैया साफ तौर पर देखा गया देश भर से छात्र यहां सिर्फ परीक्षाओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन करने आए हैं। हम आज सदन में यह मुद्दा फिर से उठाएंगे. हमने पहले ही लाठीचार्ज की निंदा करते हुए, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए और परीक्षा पेपर लीक मामले में साफ-सुथरी कार्रवाई की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किया है।

युवाओं पर बल प्रयोग न करे केंद्र : आप संयोजक

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अहंकार की आलोचना की। उन्होंने प्रधानमंत्री से प्रदर्शनकारियों की बात सुनने और उनके खिलाफ़ बल प्रयोग न करने की अपील की। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के तहत हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने संसद तक मार्च करने की कोशिश की। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी केंद्र से प्रदर्शनकारियों की मांगों पर ध्यान देने की अपील की, जबकि,ककके कई नेता समर्थन में इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए।

पेपर लीक पर राजनीति नहीं होनी चाहिए छात्रों के हित हमारे लिए सबसे ऊपर : प्रधानमंत्री मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज एनडीए मंगल मिलन समारोह में नीट परीक्षा से लेकर हर मुद्दे पर बोले। उन्होंने कहा कि पेपरलीक पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि छात्रों के हित हमारे लिए सबसे ऊपर हैं। पीएम मोदी ने एनडीए संसदीय दल को संबोधित करते हुए कई देशों के साथ जो एग्रीमेंट हुए हैं उसमें किसानों के हितों का खास ध्यान रखा गया है, उन्होंने कहा कि जिन भी देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुए हैं उसमें किसानों के हितों का पूरा ख्याल रखा गया है। पीएम मोदी ने बैठक में कहा कि नीट पर विपक्ष देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में हमने तुरंत कार्रवाई की। पीएम मोदी ने कहा कि नीट का रिजल्ट भी हमने जल्दी निकाल दिए, पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक तौर पर बच्चों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ नहीं खेलना चाहिए।

संसद मार्च के बाद बैकफुट पर आई भाजपा सरकार

» घायल प्रदर्शनकारियों से मिलने पहुंचे जेपी नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। उनके साथ कई युवा भी घायल हो गए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार (21 जुलाई) को घायलों से मिलने दिल्ली के आरएमएल हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों की उस टीम से भी बातचीत की, जो कि घायलों का इलाज कर रही है।

नड्डा ने इससे पहले सोमवार को सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका से मुलाकात की थी और उनकी मांगों को सुना था। युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद की ओर सोमवार मार्च किया था। इस दौरान पुलिस ने भीड़ को कंट्रोल करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े थे, तभी कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए थे। वहीं कई पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी थी। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर तोड़फोड़ भी की। दिल्ली के कॉनटप्लेस से लेकर जनपथ तक सड़कों पर पत्थर बिखरे दिखे।

सफदरजंग से मेदांता अस्पताल में शिफ्ट होंगे सोनम वांगचुक

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी पत्नी गीतांजलि की याचिका पर वांगचुक को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने का आदेश दिया है।

रूसी हमले में चार भारतीयों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूक्रेन के तट पर रूसी हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने मंगलवार को रूस के चार्ज डीअफेयर्स (राजनयिक प्रतिनिधि) को तलब किया है। बता दें कि एमवी गोल्डन लियो नाम के इस जहाज पर रविवार को हमला हुआ था, जब वह यूक्रेन के दक्षिणी बंदरगाह ओडेसा से निकला था।

भारत ने सोमवार को गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले मर्चेंट जहाज पर हुए हमले की निंदा की, जिसमें जहाज पर सवार 10 नाविकों की मौत हो गई थी। साथ ही भारत ने संघर्ष के दौरान कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाए जाने को रोकने की अपनी मांग को फिर से दोहराया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में रूस का नाम लिए बिना कहा, भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है और दोहराता है कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना और निर्दोष आम नागरिकों (क्रू सदस्यों) की जान जोखिम में डालना या नेविगेशन और व्यापार की आजादी में बाधा डालना निंदनीय है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

स्पीकर के विलय वाले फैसले को शिवसेना यूबीटी ने दी चुनौती

उद्धव गुट पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, सीजेआई बोले हम देखेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के उस फ़ैसले को चुनौती दी, जिसमें उन्होंने पार्टी के छह सांसदों के महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी।

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सीनियर वकील देवदत्त कामत ने चीफ़ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच के सामने यह मामला रखा। कामत ने बेंच से गुज़ारिश की कि इस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को लिस्ट किया जाए। सीजेआईने कहा कि हम देखेंगे। कामत ने बेंच को बताया कि 18 जुलाई को स्पीकर ने शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि स्पीकर ने (छह सांसदों के) विलय को मान्यता दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक राष्ट्रीय घटना बन गई है क्योंकि सांसद अब उन लोगों के साथ मिल रहे हैं जिनके खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

मानसून सत्र से पहले, 18 जुलाई को ओम बिरला ने शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**